www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 82 | जौनपुर, शनिवार, 07 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

महिला सुरक्षा पर न हो राजनीति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सात नवंबर राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा है कि महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के लिए आयोग सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करता है, चाहे वहां किसी भी दल की सरकार हो और महिलाओं के कल्याण के मामले में राजनीतिक मतभेद आड़े नहीं आने चाहिए। रहाटकर ने राज्यों से कार्रवाई रिपोर्ट प्राप्त करने में आयोग के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर हर सरकार को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' से एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ''चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, सत्ता में कोई भी दल हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। महिलाएं आबादी का 50 प्रतिशत हिस्सा हैं और उनके सशक्तीकरण के लिए काम करना जरूरी है।'' रहाटकर ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग केंद्र एवं सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करने का प्रयास करता है और कई राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करने में सफल भी रहा है। उन्होंने कहा, ''हम सभी सरकारों और संबंधित पक्षों के साथ खुले मन से बातचीत करते हैं। हमें महिलाओं के कल्याण के लिए काम करना है और सभी को इसके लिए आगे आना चाहिए।'' आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए। विपक्षी दलों की सरकार वाले राज्यों के साथ आयोग के संबंध समय–समय पर चर्चा में रहे हैं। फरवरी 2024 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार के साथ आयोग के संबंध उस समय सवालों के घेरे में आ गए थे, जब आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष रेखा शर्मा ने हिंसा प्रभावित संदेशखालि का दौरा करने के बाद राज्य प्रशासन पर आयोग के दल के साथ सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया था। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोप सामने आने के बाद शर्मा ने बनर्जी के इस्तीफे और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने की मांग की थी। उस समय राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने आयोग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया था। पार्टी ने सवाल उठाया था कि आयोग ने भाजपा शासित राज्यों में सामने आए मामलों में ऐसी तत्परता क्यों नहीं दिखाई। केंद्र के अलावा कई राज्यों में भाजपा या उसके सहयोगी दलों की सरकारें हैं।

अवकाश सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि दीपावली एंव गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर कार्यालय व प्रेस में अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक समय से प्रकाशित होगा।

– सम्पादक

पीएम मोदी ने देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की शाश्वत विजय का प्रतीक है। पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि यह पर्व सभी को दयालुता का प्रसार करने, सकारात्मक सोच अपनाने और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री ने भारत सरकार के 'जन संपर्क पोर्टल' पर साझा किए गए एक संदेश में कहा, ''प्रिय देशवासियों, दीपावली के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं! यह पर्व अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की शाश्वत विजय का उत्सव है।'' उन्होंने कहा कि दीपावली भारत की समृद्ध परंपराओं पर गर्व करने और आपसी एकजुटता के संबंधों को मजबूत करने का भी अवसर है। पीएम मोदी ने कहा, ''दीपावली हर घर को खुशियों, सद्भाव और समृद्धि से रोशन करे। यह पर्व हमें दयालुता का प्रसार करने, सकारात्मक सोच अपनाने और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करे।'' प्रधानमंत्री ने सभी से समृद्ध और 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए नयी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''एक बार फिर आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएं।



ओडिशा के मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता जताते हुए दिवाली समारोह रद्द किए

ओडिशा, (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक ने चक्रवात 'अर्नब' और उसके बाद राज्य के कई हिस्सों में आई बाढ़ से हुए नुकसान तथा प्रभावित लोगों की परेशानियों को देखते हुए शनिवार को इस साल दिवाली नहीं मनाने का फैसला किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा कि माझी के आवास पर दिवाली समारोह रद्द कर दिया गया है। उसने कहा कि मुख्यमंत्री ने लोगों से इस मौके पर उपहार या गुलदस्ते नहीं लाने का भी अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे आपदा प्रभावित इलाकों के लोगों की परेशानियों के प्रति संवेदनशील रहें और उनकी मदद के लिए आगे आएं।''



नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय ने बताया कि बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने गंजाम, गजपति और कंधमाल जिलों में बाढ़ से प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता जताते हुए दिवाली नहीं मनाने का फैसला किया है। कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''पटनायक ने कहा कि चक्रवात के कारण आई बाढ़ से गंजाम और गजपति जिलों में अप्रत्याशित नुकसान हुआ है। वहां के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा भूस्खलन के कारण मलबे में दबे लापता सभी लोगों को अब तक निकाला नहीं जा सका है इसलिए पटनायक ने दुख की इस घड़ी में दिवाली नहीं मनाने का फैसला किया है।

सीएम रेखा के खिलाफ शिकायत कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने एक आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान सरकारी अधिकारियों की भगवान हनुमान से तुलना करने वाली कथित टिप्पणी को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली शिकायत शुक्रवार को खारिज कर दी। राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत राम निवास शर्मा द्वारा दायर शिकायत को खारिज कर दिया। दिल्ली पुलिस ने अपनी कार्रवाई रिपोर्ट में अदालत को बताया कि गुप्ता के खिलाफ कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता है। पुलिस ने कहा कि जब उसके भाषण पर संपूर्णता से विचार किया गया तो उसमें सरकारी कर्मचारियों के प्रति प्रशंसा और देवता के प्रति सम्मान झलकता था। शर्मा ने 23 सितंबर, 2025 को दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बड़ौत के बीच डीटीसी बस सेवाओं के शुभारंभ के अवसर पर आईएसबीटी कश्मीरी गेट पर एक सरकारी कार्यक्रम में कथित तौर पर की गई टिप्पणी पर गुप्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। शिकायत के अनुसार, गुप्ता ने टिप्पणी की थी ।

श्रीराम जन्मभूमि पर दीप जले तो घर में भी प्रज्वलित करें दीया, मुख्यमंत्री योगी की अपील

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 10वें दीपोत्सव की प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए अपील की कि जब श्रीराम जन्मभूमि पर दीप जले, तब आप सभी अपने–अपने घर–आंगन में भी दीप जलाएं। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज पावन, पुण्यसलिला मां सरयू की गोद में बसी धर्मनगरी श्री अयोध्या धाम अलौकिक उल्लास, गौरव और भक्ति के महाकुंभ श्दिव्य



दीपोत्सवश हेतु पूर्ण रूप से सज्जित है। वर्षों की प्रतीक्षा और करोड़ों सनातनी आस्थाओं का यह पावन प्रतिफल पुनः लाखों दीपों की स्वर्णिम आभा बनकर अंधकार पर प्रकाश, सत्य और धर्म की शाश्वत विजय का उद्घोष करने जा रहा है। अवध्पुरी का कण–कण आज आह्लादित है, स्पंदित है। मुख्यमंत्री ने इस दिव्य–भव्य आयोजन की गरिमा बढ़ाने पधार रहे उपराष्ट्रपति, विभिन्न मित्र देशों के सम्मानित राजदूत, उच्चायुक्त, राजनयिक एवं देश–विदेश से पधारे समस्त विशिष्ट अतिथियों, पूज्य साधु–संतों व रामभक्तों का प्रभु श्रीराम की पावन जन्मभूमि पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि समता, समरसता, सांस्कृतिक एकात्मता और श्वसुधैव कुटुम्बकम्श् के इस पावन पर्व में आप सभी का सान्निध्य इस दीपोत्सव

रामपथ पर साकार हुई रामायण, ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमी अयोध्या

सातों कांडों की झांकियों में जीवंत हुई प्रभु श्रीराम की गाथा, रामपथ पर उमड़ा आस्था का सैलाब

कंधों पर ढोल रखकर महिला कलाकारों ने दी थाप, नगाड़ों की गूंज और करतब ने बांधा समां

21 झांकियों में रामकथा के साथ योगी सरकार की विकास यात्रा का भव्य प्रदर्शन

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह बोले, हर बार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ता है दीपोत्सव



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल–नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो। कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। नगाड़ों और ताशों की गूंज के बीच कलाकारों के करतब और विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य रामपथ को उत्सव के विराट मंच में बदल रहे थे। दर्शकों की आंखों में श्रद्धा, चेहरों पर उल्लास और वातावरण में रामनाम की गूंज। दसवें दीपोत्सव की शोभायात्रा में आस्था, संस्कृति और परंपरा का ऐसा संगम दिखाई दिया, जिसने अयोध्या की भव्यता को एक नया आयाम दिया।

पर्यटन मंत्री ने दिखाई हरी झंडी, तीन किलोमीटर का सफर तय कर पहुंची शोभायात्रा

साकेत महाविद्यालय से पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। करीब तीन किलोमीटर का सफर तय कर शोभायात्रा रामकथा पार्क पहुंची। इस बार शोभायात्रा में 21 भव्य झांकियां शामिल हैं। इनमें 14 झांकियां योगी सरकार की उपलब्धियों और सात झांकियां रामायण के सातों कांडों पर आधारित हैं। बालकांड में रामजन्म और बाल लीलाओं से लेकर अयोध्याकांड में वनगमन, अरण्यकांड में वनवास के प्रसंग, किष्किन्धाकांड में सुग्रीव और हनुमान से मिलन, सुंदरकांड में बजरंगबली का पराक्रम, लंकाकांड में रावण के साथ युद्ध और उत्तरकांड की कथा को दृश्य रूप में प्रस्तुत किया गया। एक के बाद एक आगे बढ़ती झांकियां दर्शकों को रामायण की संपूर्ण गाथा का दर्शन करा रही थीं।

सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों को भी मिला झांकियों में स्थान

जल जीवन मिशन, ओडीओपी, कृषि एवं पशुपालन, आयुष्मान कैशलेस योजना, स्वच्छ एवं हरित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत, उत्तर प्रदेश पुलिस, मिशन शक्ति, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आत्मनिर्भर नारी, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ और डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की झांकियों में प्रदेश की विकास यात्रा भी दिखाई दी। विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों के लोकनृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने शोभायात्रा को सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम बना दिया। दीपोत्सव अब पूरे विश्व का पर्व बन चुका है । जयवीर सिंह शोभायात्रा की भव्यता देखकर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि दीपोत्सव अलौकिक, दिव्य और भव्य है। आज शाम होने वाला दीपोत्सव का कार्यक्रम भी अत्यंत भव्य होगा। सनातनियों के लिए इससे बड़ा गौरव का पर्व कोई हो ही नहीं सकता। हम हर वर्ष पिछले वर्ष का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हैं और इस बार भी नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। दीपोत्सव अब केवल उत्तर प्रदेश का आयोजन नहीं, बल्कि पूरे विश्व का पर्व बन चुका है। सातों कांडों की झांकियां राम में अयोध्या, सनातन में अयोध्या और विरासत में अयोध्या का दर्शन करा रही हैं।

श्रद्धालुओं ने सराहा रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन

शोभायात्रा के साक्षी बने उन्नाव के सुशील कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में अयोध्या का ऐसा दिव्य और भव्य स्वरूप देखने को मिल रहा है। दीपोत्सव और शोभायात्रा देखकर मन आनंदित हो गया। जौनपुर से आए राम कुमार ने रामायण की झांकियों और कलाकारों की प्रस्तुतियों को सराहा। बलरामपुर की सुशीला ने कहा कि रामकथा के सजीव मंचन और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया।

रामपथ पर विराजमान दर्शक और श्रद्धालु शोभायात्रा के हर दृश्य को अपलक निहारते रहे। प्रभु श्रीराम के स्वरूपों के दर्शन कर कई श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। किसी की आंखें श्रद्धा से नम थीं तो कोई हाथ जोड़कर रामनाम में लीन नजर आया। जय श्रीराम के उद्घोष, ढोल–नगाड़ों की गूंज और रामायण के जीवंत प्रसंगों के बीच पूरा रामपथ भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो अयोध्या की धरती पर रामकथा केवल दिखाई नहीं दे रही, बल्कि जन–जन के हृदय में उतर रही हो।

अश्विनी वैष्णव ने बताया प्लान, जल्द दौड़ेंगी 1000 से ज्यादा ट्रेनें

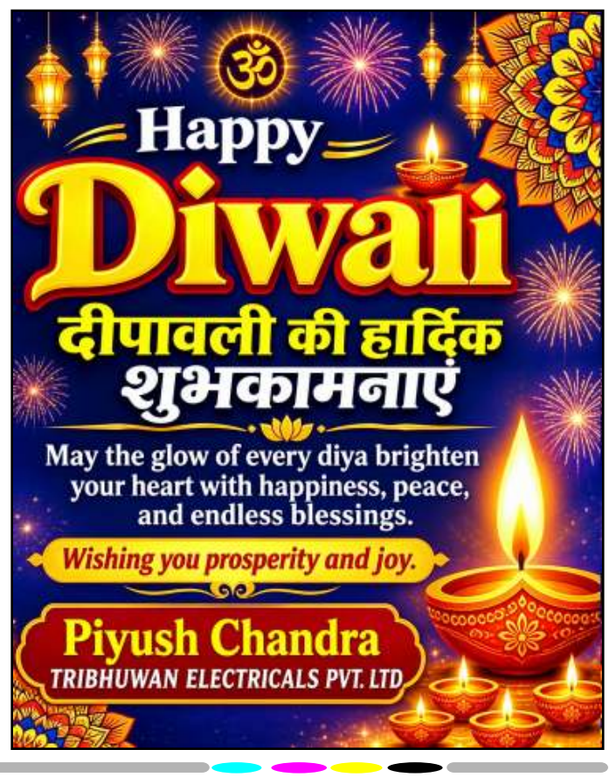
नई दिल्ली, (एजेंसी)। त्योहारों से पहले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन में श्वॉर रूमश की तैयारियों और कामकाज की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम सुधार करना जारी रखेंगे। वे आगे कहते हैं कि हम 1,000 से अधिक अतिरिक्त नियमित ट्रेनें चलाने वाले हैं। इस दौरान ट्रेनों की देरी, नेटवर्क पर अत्यधिक दबाव, माल ढुलाई और क्षमता विस्तार की दीर्घकालिक परियोजनाओं पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, श्अभी हम अत्यधिक दबाव (पीक कंजेशन) के दौर से गुजर रहे हैं। कोयले और अन्य सामानों की ढुलाई में भारी तेजी आई है। इससे निपटने के लिए, पिछले 10 वर्षों में 36,000 किलोमीटर अतिरिक्त रेल ट्रैक बिछाए गए हैं। नए ट्रैक बनाना और क्षमता बढ़ाना बहुत जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, श्यही एक स्थायी समाधान है। हमें और अधिक ट्रैक बनाने का



काम जारी रखना होगा। यही कारण है कि प्रधानमंत्री अक्सर नई परियोजनाओं को मंजूरी देते रहते हैं। लगभग हर दूसरी या तीसरी कैबिनेट बैठक में। उदाहरण के लिए, हम अभी सात प्रमुख कॉरिडोर को श्क्वाड्रपलश (चार–लेन वाला) कर रहे हैं। इनमें दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को जोड़ने वाले रूट, साथ ही दिल्ली से चेन्नई, मुंबई से कोलकाता और दिल्ली से गुवाहाटी जैसे तिरछे (डायगोनल) कॉरिडोर शामिल हैं। एक बार यह चार–लेन का काम पूरा हो जाने पर, हम 1,000 से अधिक अतिरिक्त नियमित ट्रेनें चला सकेंगे। इससे वेटिंग लिस्ट और रिजर्वेशन की उपलब्धता से जुड़ा दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा। हमारी लगातार कोशिश क्षमता विस्तार पर केंद्रित है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा, श्हम सुधार करना जारी रखेंगे। लगातार सुधार के लिए प्रयास करना और चीजों को बेहतर बनाते रहना हमारी कार्यप्रणाली का हिस्सा है, जिसमें हम पिछले कुछ वर्षों के अनुभवों से सीखते हैं। उदाहरण के लिए, टीम ने 10 वर्षों के श्ओरिजिन–डेस्टिनेशनश (शुरुआती और अंतिम स्थानों) के डेटा का विश्लेषण किया, ताकि पीक ट्रैफिक पैटर्न की पहचान की जा सके। खासकर यह पता लगाया जा सके कि किन शुरुआती और अंतिम स्थानों पर यात्रियों की संख्या सबसे अधिक होती है। एक व्यापक और वैज्ञानिक अध्ययन के जरिए, चेयरमैन और उनकी टीम ने एक पूर्ण योजना तैयार की है। पिछले साल, गोल्डन एरिया पहल को बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थीय इससे कई यात्रियों को काफी सुविधा हुई, ।

केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ और अन्य राज्यों के बीच कैदियों के तबादले की मंजूरी दी

चंडीगढ़ , (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 'पंजाब पुलिस एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2006' को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू कर दिया है, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले और जेल प्रशासन के कामकाज में बदलाव से जुड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, 'पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966' की धारा 87 के तहत यह अधिसूचना जारी की गई है। इसके जरिए पंजाब के कानून को कुछ संशोधनों के साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू किया गया है। इन संशोधित प्रावधानों में चंडीगढ़ और अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले की व्यवस्था की गई है।



संपादकीय

बचाव में खड़ा होना अजीबोगरीब

दवाओं की अधिक कीमत वसूलने के मामले में केंद्र का प्राइवेट अस्पतालों के बचाव में खड़ा होना अजीबोगरीब है। केंद्र ने कहा कि अस्पतालों पर खर्च का बड़ा बोझ है, इसलिए वे अधिक दाम वसूलते हैं। दवाओं की एमआरपी से कई गुना ज्यादा कीमत वसूलने के निजी अस्पतालों में जारी चलन को सुप्रीम कोर्ट ने श्डकैतीय बताया। कहा–श्सरकार इसे चलने दे रही है। सब कुछ सरकार की आंखों के सामने घट रहा है।य न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की बेंच ने यह महत्त्वपूर्ण टिप्पणी भी कि ऐसा लगता है, राष्ट्रीय औषधि मूल्य–निध ारिण प्राधिकरण (एनपीपीए) पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है। एनपीपीए पर ही जरूरी औषधियों के मूल्य निर्धारण की जिम्मेदारी है। यह दूसरा मौका है, जब सर्वोच्च न्यायालय ने इस मुद्दे पर सख्त बातें कही हैं। इस बार की सुनवाई में फिर यह उदाहरण सामने आया कि कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने की एक दवा, जिसकी एमआरपी तकरीबन 11 हजार रुपये है, उसके लिए एक निजी अस्पताल ने एक लाख 30 हजार रुपये का बिल मरीज को थमाया। ऐसे में न्यायालय के इस सवाल के औचित्य को आसानी से समझा जा सकता है कि श्क्या यह सब बेलगाम चलने दिया जाना चाहिए?च केंद्र का प्राइवेट अस्पतालों के बचाव में खड़ा होना इस मामले का एक और आंख खोल देने वाला पहलू है। केंद्र ने दलील दी कि अस्पतालों के ऊपर खर्च का बड़ा बोझ है, इसलिए वे दवाओं की अधिक कीमत वसूलते हैं। अतिरिक्त सोलिसीटर जनरल ऐश्वर्य भाटी ने यह भी कहा कि केंद्र की नीति चिकित्सा के सारे इकॉ–सिस्टम (परिदृश्य) को नियंत्रित ना करने की है। निजी अस्पतालों के इस सरासर अनुचित व्यवहार के पक्ष में सरकार ने यह तर्क भी दिया कि श्भारत में दवाओं की कीमत दुनिया में सबसे कम है।च जजों ने उचित ही इसका यह प्रतिवाद किया कि भारत की प्रति व्यक्ति आय भी दुनिया में ज्यादातर देशों से कम है। बहरहाल, केंद्र से यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि वह मरीजों और आम जन की नुमाइंदगी करता है, या बड़ी पूंजी वाले समूहों की, अथवा वह विभिन्न वर्गों के हितों के बीच तालमेल बनाना अपनी जिम्मेदारी समझता है? उसने कोर्ट में जो दलीलें दी, उससे यह नहीं लगता कि आम जन के हितों की उसे कोई परवाह है। इसीलिए इस मुद्दे पर व्यापक सार्वजनिक चर्चा की जरूरत है।

यूसीजी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार के डांवाडोल रुख से बढ़ सकती है सवर्णों की चिंता



नीरज

यूजीसी के नए नियमों को लेकर शुरू हुआ विवाद अब शिक्षा संस्थानों की चारदीवारी से निकलकर सीधे सियासत के मैदान में पहुंच चुका है। यह मामला अब सिर्फ जातिगत भेदभाव रोकने के प्रावधानों का नहीं, बल्कि सवर्णों की नाराजगी, राजनीतिक दलों के जातीय समीकरण और वोट बैंक की लड़ाई का भी बन गया है। खासकर पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों से पहले इस विवाद ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी है। इन नियमों के खिलाफ पहले भी सवर्ण समाज ने देशभर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, जहां अदालत को इन पर रोक लगानी पड़ी थी। अब एक बार फिर नियमों की समीक्षा और उन्हें लेकर जारी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यूजीसी विवाद के बहाने सवर्ण समाज की नाराजगी चुनावी मुद्दा बनेगी और इसका असर उन राज्यों के जातीय समीकरणों पर पड़ेगा, जहां बीजेपी की राजनीति काफी हद तक परंपरागत सामाजिक समर्थन पर टिकी रही है? हम आपको बता दें कि सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक हलचल यह है कि केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह यूजीसी के 2026 के इक्विटी रेगुलेशन की समीक्षा के लिए एक समिति बनाने पर विचार कर रही है। यानी सरकार ने न तो नियमों को पूरी तरह वापस लेने का फैसला किया है और न ही उन्हें उसी रूप में लागू करने का। सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से कहा है कि नियमों पर दोबारा विचार किया जाए, ताकि किसी भी छात्र के साथ भेदभाव न हो और सभी के हित सुरक्षित रहें। हम आपको याद दिला दें कि 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित इन नियमों का मकसद उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकना था। इसके तहत विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इक्विटी कमेटी और समान अवसर केंद्र बनाने का प्रावधान किया गया। लेकिन नियमों में जातिगत भेदभाव की परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। खासतौर पर नियम 3(1)(ब) में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के खिलाफ जाति आधारित भेदभाव को जिस तरह परिभाषित किया गया, उसे सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए असमान व्यवस्था बताया गया। सवर्ण संगठनों और सामान्य वर्ग के छात्रों ने आशंका जताई कि इन प्रावधानों का इस्तेमाल उनके खिलाफ शिकायतों और उत्पीड़न के हथियार के रूप में हो सकता है। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन कई राज्यों तक फैल गए थे। उत्तर प्रदेश में इस विरोध ने बीजेपी के भीतर भी बेचौनी पैदा कर दी। पार्टी के कुछ पदाधिकारियों ने इस्तीफे तक दिए। आखिरकार 29 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने इन नियमों पर रोक लगा दी और 2012 के पुराने नियमों को जारी रखने का आदेश दिया। अदालत ने प्रावधानों की अस्पष्टता और उनके संभावित दुरुपयोग पर गंभीर सवाल उठाए थे। अब मोदी सरकार की ओर से समीक्षा समिति बनाने की बात सामने आने के बाद इस पूरे विवाद ने फिर राजनीतिक रंग पकड़ लिया है। इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा राजनीतिक असर 2027 के विधानसभा चुनावों में दिखाई दे सकता है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड बीजेपी के लिए सत्ता की प्रतिष्ठा से जुड़े हैं, जबकि पंजाब में पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में यूजीसी का मुद्दा पांचों राज्यों में अलग–अलग राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। यहां ब्राह्मण, ठाकुर और वैश्य मतदाता लंबे समय से बीजेपी के मजबूत समर्थक आधार का हिस्सा रहे हैं। राम मंदिर आंदोलन से लेकर हिंदुत्व के मुद्दे पर बीजेपी ने ब्राह्मण, ठाकुर और अन्य सवर्ण जातियों के बीच अपना मजबूत जनाधार तैयार किया है। लेकिन यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सवर्ण समाज में जिस तरह नाराजगी सामने आई है, उससे बीजेपी के इस परंपरागत वोट बैंक में असंतोष बढ़ने और पार्टी के साथ उसके पुराने राजनीतिक रिश्ते कमजोर पड़ने की आशंका पैदा हो गई है। बीजेपी के लिए परेशानी यह है कि एक तरफ सामान्य वर्ग की नाराजगी है तो दूसरी तरफ ओबीसी और दलित मतदाताओं का बड़ा राजनीतिक आधार है। किसी एक पक्ष को नाराज करने का मतलब दूसरे पक्ष के बीच राजनीतिक संदेश जाना है। इस नाराजगी के संकेत उत्तर प्रदेश बीजेपी के संगठन में भी दिखाई दिए हैं। हाल के एमएलसी चुनावों में वाराणसी और लखनऊ जैसी सीटों पर पार्टी को मिली हार को भी सवर्ण असंतोष के संदर्भ में देखा जा रहा है। इसलिए बीजेपी के लिए यह महज एक शैक्षणिक नियम का विवाद नहीं, बल्कि अपने परंपरागत वोट बैंक को बचाने की लड़ाई बन गया है। उत्तराखंड में भी यह मुद्दा कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां सवर्ण मतदाताओं का राजनीतिक प्रभाव है और बीजेपी का परंपरागत समर्थन आधार भी इसी सामाजिक समीकरण से जुड़ा रहा है। यूजीसी विवाद को लेकर नाराजगी अगर चुनावी मुद्दा बनती है तो कांग्रेस को बीजेपी के खिलाफ सवर्ण असंतोष को भुनाने का अवसर मिल सकता है। हालांकि पंजाब में समीकरण कुछ अलग हैं। यहां दलित आबादी का अनुपात देश में सबसे अधिक है। ओबीसी और सामान्य वर्ग के मतदाताओं का भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। बीजेपी के लिए चुनौती यह होगी कि वह सवर्ण मतदाताओं की नाराजगी दूर करने के साथ दलित और पिछड़े वर्गों के बीच अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता भी बनाए रखे। क्योंकि यूजीसी विवाद को विपक्ष सामाजिक न्याय और सामान्य वर्ग के अधिकारों के बीच टकराव के रूप में पेश कर सकता है। साथ ही गोवा और मणिपुर में इस मुद्दे का प्रभाव उत्तर प्रदेश जैसा व्यापक न भी हो, लेकिन उच्च शिक्षित युवाओं, विद्यार्थियों और सबसे दिलचस्प बात यह है कि बीजेपी के सामने इस विवाद में दोहरी चुनौती है। अगर सरकार नियमों को पूरी तरह वापस लेती है या उनमें बड़ा बदलाव करती है तो सामाजिक न्याय के मुद्दे पर विपक्ष को हमला करने का मौका मिलेगा। वहीं अगर नियमों को पुराने स्वरूप में लागू करने की कोशिश होती है तो सवर्ण समाज की नाराजगी दोबारा भड़क सकती है। साथ ही विपक्ष के लिए यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में बीजेपी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा था। संविधान और आरक्षण को लेकर विपक्ष के अभियान ने पिछड़े और दलित मतदाताओं के बीच असर डाला था। अब यूजीसी विवाद के जरिए विपक्ष सवर्ण असंतोष को भी बीजेपी के खिलाफ जोड़ने की कोशिश कर सकता है। देखा जाये तो केंद्र सरकार का सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा समिति बनाने का संकेत इसी राजनीतिक दबाव के बीच आया है। यह फैसला फिलहाल विवाद को ठंडा करने की कोशिश जरूर है, लेकिन असली सवाल नियमों के अंतिम स्वरूप का है। बहरहाल, यूजीसी विवाद बीजेपी के लिए ऐसी राजनीतिक पहेली बन गया है जिसमें एक तरफ सवर्ण वोट बैंक है और दूसरी तरफ दलित–पिछड़े वर्गों का समर्थन। पांच राज्यों के चुनाव से पहले सरकार को इसी पहेली का जवाब तलाशना है। अगर यह मुद्दा चुनाव तक गर्म रहा तो उत्तर प्रदेश में इसका असर सबसे ज्यादा दिखाई दे सकता है।

इस धनतेरस स्वास्थ्य में निवेश परिवार की सबसे बड़ी समृद्धि

संस्कृत की प्रार्थना के ये परिचित शब्द हमारी परंपराओं में स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के गहरे संबंध को बड़ी सुंदरता से व्यक्त करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची समृद्धि केवल भौतिक संपत्ति से नहीं, बल्कि हमारे अपनों के स्वास्थ्य और खुशहाली से भी मापी जाती है। हर वर्ष ध ानतेरस के आते ही हमारे घरों में दीपावली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। घरों की साफ–सफाई और सजावट होती है, बाजारों में उत्सव का उल्लास दिखाई देता है और लोग समृद्धि के प्रतीक के रूप में नई वस्तुएं खरीदते हैं। इन उत्सवों के बीच मेरे मन में अक्सर एक सरल–सा प्रश्न उठता है कि जब हम अपने परिवार के समृद्ध भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए इतनी तैयारियां करते हैं, तो उनके स्वास्थ्य की रक्षा पर कितना ध्यान देते हैं? हम भविष्य के लिए बचत करते हैं, अपनी संपत्ति का बीमा कराते हैं और आर्थिक निवेश की योजनाएं बनाते हैं। लेकिन जिन आदतों पर हमारे आने वाले वर्षों का स्वास्थ्य निर्भर करता है, उन पर अक्सर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। समय पर भोजन न करना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाता है, पर्याप्त नींद न लेना व्यस्त जीवन की पहचान समझी जाने लगती है और स्वास्थ्य जांच तब तक टाल दी जाती है, जब तक कोई परेशानी गंभीर रूप नहीं ले लेती। धनतेरस हमें अपनी इन प्राथमिकताओं पर फिर से विचार करने का अवसर देता है। धनतेरस का आयुर्वेद के साथ विशेष संबंध है। यह पर्व भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य से जुड़ा है, जिन्हें देवताओं के वैद्य और आयुर्वेद के आदि प्रवर्तक के रूप में पूजा जाता है। समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर उनका प्रकट होना स्वास्थ्य और दीर्घायु की मानवता की चिरकालिक आकांक्षा का प्रतीक है। यही संबंध धनतेरस को सोने, चांदी या घरेलू वस्तुओं की खरीदारी से कहीं अधिक व्यापक अर्थ प्रदान करता है। यह हमें याद दिलाता है कि समृद्धि का वास्तविक आनंद तभी है, जब हमारे पास उसे अनुभव करने और अपने प्रियजनों के साथ साझा करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य हो। आयुष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, दोनों मंत्रालयों की जिम्मेदारी निभाते हुए मैं अपने दैनिक जीवन में इस संदेश के महत्व को भली–भांति समझता हूं। स्वास्थ्य को लेकर हमारी बातचीत अक्सर तब शुरू होती है, जब बीमारी हमारे जीवन में दस्तक दे चुकी होती है। हम अस्पतालों, दवाओं और उपचार की चर्चा करते हैं, जो निस्संदेह आवश्यक हैं। लेकिन एक उतनी ही महत्वपूर्ण बातचीत इससे बहुत पहले शुरू होनी चाहिए, हमारे घरों, रसोईघरों, कार्यस्थलों और रोजमर्रा की दिनचर्या में।

क्या हम उपचार को जितना महत्व देते हैं, उतना ही महत्व बीमारियों की रोकथाम को भी दे सकते हैं? यही प्रश्न आयुर्वेद की स्वास्थ्य संबंधी सोच के मूल में है। आयुर्वेद का सिद्धांत श्स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्च, अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना, आज की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक है। यह हमें बताता है कि हमारा स्वास्थ्य इस बात से प्रभावित होता है कि हम क्या खाते हैं, कितनी नींद लेते हैं, कितने शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हैं और अपनी देखभाल कितनी नियमितता से करते हैं। आज जब गैर–संचारी रोग, निष्क्रिय जीवनशैली और तनाव स्वास्थ्य संबंधी बड़ी चुनौतियों के रूप में सामने आ रहे हैं, तब निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक ध्यान देना आवश्यक हो गया है। उदाहरण के लिए, परिवार के साथ किया जाने वाला एक साधारण भोजन भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर हो सकता है। इसके माध्यम से हम बच्चों में पौष्टिक भोजन की आदत विकसित कर सकते हैं और परिवार के बुजुर्गों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रख सकते हैं। इसी प्रकार प्रतिदिन टहलना, नियमित योगाभ्यास करना या सोने और जागने का समय निश्चित रखना भले ही छोटे प्रयास लगें, लेकिन लंबे समय तक इनका पालन करने से स्वास्थ्य में सार्थक बदलाव आ सकता है। निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक शक्ति अक्सर ऐसे ही सरल और रोजमर्रा के निर्णयों में निहित होती है। भारत की आयुष चिकित्सा पद्धतियां स्वास्थ्य संरक्षण और समग्र कल्याण की इस संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) जैसी पहलों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, वैज्ञानिक अनुसंधान, गुणवत्ता मानकों और प्रमाण–आधारित चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है, ताकि भारत का पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान वर्तमान स्वास्थ्य सेवाओं में जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से योगदान दे सके। हालांकि, परिवारों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी के बिना कोई भी स्वास्थ्य पहल पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। एक स्वस्थ भारत का निर्माण केवल संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों और निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। जब भारत वर्ष 2047 में अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा,।

गृह लक्ष्मियों के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दें

उमेश

दीपावली की आहट सुनाई देने लगी है। घर–दुकान से लेकर कार्यालय आदि की साफ–सफाई का दौर चल रहा है। धन की देवी की बाट ताकती दुनिया को पता है कि भले ही उनकी सवारी उल्लू है, लेकिन उनकी कृपा उसी जगह होती है। जहां स्वच्छता होती है। लेकिन यह स्वच्छता आती कैसे है? बिना उद्यम और परिश्रम के क्या सफाई संभव है। मतलब साफ है कि बिना उद्यम के लक्ष्मी का आना संभव नहीं। हमारी परंपरा में घर–परिवार की महिलाओं–कन्याओं को भी देवी का ही रूप माना जाता है। बिनु घरनी घर भूत का डेरा, हमारे यहां यह माना जाता रहा है। यानी घर में जब घरनी या महिला होती है, तो वह सिर्फ महिला, पत्नी, बेटी, बहन या मां ही नहीं रह जाती, बल्कि घर की लक्ष्मी हो जाती है। घर की लक्ष्मी जब समर्थ होती है तो परिवार खुशहाल होता है। इन्हीं संदर्भो में याद आती है भारत सरकार की लखपति दीदी योजना। मोदी सरकार की कोशिशों से अब देश में तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि इस संख्या को छह करोड़ तक पहुंचाया जाए। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब कई दीदियां करोड़पति बन चुकी हैं या फिर उनका स्वयंसहायता समूह करोड़पति हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। इस योजना का नोडल केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है। जिसके तहत चल रही दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम ध लाख की स्थायी आय अर्जित कर सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली इस योजना के तहत उन्हें एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग, ड्रोन चलाने और रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम तो सिखाए ही जा रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर काम करने और दस्तकारी आदि को बढ़ावा देने की भी कोशिश की जा रही है। शुरू में इस योजना के जरिए दो करोड़ महिलाओं को श्लखपति दीदीश बनाने का लक्ष्य रखा गयॉ था, जिसे फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया और यह लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों की मदद से बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को सस्ते दर पर कर्ज दिलाया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर दीदियां इस कर्ज से ना सिर्फ अपना काम बढ़ा रही हैं, बल्कि बैंकों को कर्ज की किश्तें भी नियमित रूप से चुका रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन



के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने–पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया। महज तीन साल में ही इस समूह का सालाना टर्नओवर बारह लाख से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि इस समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक मदद करने लगी हैं। अपने बच्चों के खर्च के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। लखीमपुर से आई शमीमा की भी कुछ ऐसी ही कहानी रही। आज उनका समूह चमड़े के जूते–चप्पल बना रहा है। इस काम में उनके पति सहयोग करते हैं और उनके समूह का टर्नओवर साठ लाख को पार कर चुका है। भारत में प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मशहूर भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम, अहमदाबाद ने हाल ही में लखपति दीदी योजना को लेकर एक शोध किया है। संस्थान ने अपने अध्ययन में देश के सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 6531 महिलाओं के काम को शामिल किया है। इस अध्ययन के मुताबिक लखपति दीदियों के परिवारों की आय में 61 फीसद तक का इजाफा देखा गया है। इसकी वजह से परिवारों की मासिक बचत में करीब 61.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2026 में खत्म हुए अध्ययन के अनुसार, करीब 48 प्रतिशत लखपति दीदियों के कारोबार में पिछले एक साल में विस्तार हुआ है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के नतीजे ट्रंप की तानाशाही के खिलाफ स्पष्ट जनादेश



नित्य

ट्रंप अब एक जटिल राजनीतिक स्थिति का सामना कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान, उन्होंने मतदाताओं से कहा कि वे याद रखें कि हर मतपत्र पर वही उम्मीदवार हैं। उन्हें इसे अपने ऊपर एक जनमत संग्रह कहलाना पसंद था। रिपब्लिकन ने भी यही रुख अपनाया। वहीं, डेमोक्रेट्स ने इसे ट्रम्प के श्जन–विरोधीश कार्यक्रमों पर एक जनमत संग्रह के रूप में पेश किया।अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के नतीजे न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मौजूदा प्रशासन पर, बल्कि लैटिन अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे देशों की राजनीतिक स्थिति पर भी बड़ा असर डालेंगे। वैश्विक स्तर पर, ट्रंप की यह बड़ी हार दुनिया के उन विभिन्न समूहों का हौसला बढ़ाएगी जो अलग–अलग तरह की तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे हैं। वामपंथी राष्ट्रपति लूला की ऐतिहासिक जीत के महज दस दिन बाद अमेरिकी मतदाताओं का यह फैसला संकेत देता है कि इस महाद्वीप में एक नया राजनीतिक माहौल बन रहा है, जो श्अति दक्षिणपंथीश उभार की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।ताजा नतीजों के अनुसार, सीनेट में डेमोक्रेट्स को लगभग 55 सीटें मिली हैं, जबकि रिपब्लिकन को 45 सीटें मिली हैंय यानी डेमोक्रेट्स के पास स्पष्ट बहुमत है। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि ा सभा) की 435 सीटों में से डेमोक्रेट्स को 240 से अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है, जो बहुमत के लिए जरूरी 218 सीटों से कहीं ज्यादा है। इस तरह, कांग्रेस के दोनों सदनों पर नियंत्रण मिलने से डेमोक्रेट्स को ट्रंप पर अपनी नीतियां बदलने के लिए दबाव डालने का एक बड़ा मौका मिल गया है।अमेरिकी संविध ान के अनुसार, ट्रंप के पास वीटो शक्तियां हैं। वे कांग्रेस की राय को नजरअंदाज करते हुए अपने कुछ कार्यक्रमों को लागू करने के लिए इन शक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन इसकी भी एक सीमा है। 3 नवंबर के चुनावों के बाद उनकी राजनीतिक हैसियत कमजोर हुई है। ऐसे में शायद वे कांग्रेस पर उस तरह से अपनी मर्जी नहीं थोप पाएंगे, जैसा कि उन्होंने 21 जनवरी, 2025 को पदभार संभालने के बाद पिछले दो वर्षों में किया है। अपने खिलाफ आए इस स्पष्ट फैसले के बाद ट्रंप के तेवर कुछ नरम पड़ गए हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वे अपने कार्यकाल के बचे हुए दो वर्षों में कांग्रेस में डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके चुनाव प्रचार के दौरान का वह दावा अब गायब था कि डेमोक्रेट्स मतदान के आंकड़ों में हेरफेर कर सकते हैं। उन्होंने इस जनादेश को स्वीकार कर लिया है।ट्रंप अब एक जटिल राजनीतिक स्थिति का सामना कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान, उन्होंने मतदाताओं से कहा कि वे याद रखें कि हर मतपत्र पर वही उम्मीदवार हैं। उन्हें इसे अपने ऊपर एक जनमत संग्रह कहलाना पसंद था। रिपब्लिकन ने भी यही रुख अपनाया। वहीं, डेमोक्रेट्स ने इसे ट्रम्प के श्जन–विरोधीश कार्यक्रमों पर एक जनमत संग्रह के रूप में पेश किया। अब इस करारी हार के बाद, वे अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते, हालांकि उन्होंने चालाकी दिखाते हुए यह कहा कि अगर वे खुद उम्मीदवार होते, तो उन्हें भारी जीत मिलती।लेकिन रिपब्लिकन पार्टी के नेता काफी नाराज और निराश हैं। उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को अपने ही गढ़ों में भारी हार का सामना करना पड़ा, खासकर उन निर्वाचन क्षेत्रों में जहां ट्रम्प ने सबसे ज्यादा प्रचार किया था। पिछले 94 वर्षों में पहली बार, कंसास में एक डेमोक्रेट ने सीनेट की सीट जीती, जहां एडम हैमिल्टन ने रोजर मार्शल को हराया। ट्रम्प के लिए एक और बड़ी व्यक्तिगत हार मिशिगन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल–सैयद की जीत रही। ट्रम्प ने हमेशा की तरह सैयद के खिलाफ इस्लाम–विरोधी बयानबाजी की, लेकिन मतदाताओं ने उन्हें स्पष्ट बहुमत से चुन लिया। रिपब्लिकन इस बात से हैरान हैं कि ट्रम्प द्वारा चुने गए ज्यादातर उम्मीदवार हार गए हैं। टेक्सास और साउथ कैरोलिना में, ट्रम्प ने अपने पसंदीदा उम्मीदवारों के लिए जमकर प्रचार किया था। ये सभी पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन के गढ़ रहे हैं, और राष्ट्रपति के प्रचार और समर्थन के बाद, यह माना जा रहा था कि वे आसानी से जीत जाएंगे। लेकिन 3 नवंबर के चुनावों में, वहां के रूढ़िवादी मतदाताओं ने डेमोक्रेट्स का साथ दिया, जिससे रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगाकृजो राष्ट्रपति चुनावों में सीटों के लिए हमेशा टेक्सास पर निर्भर रहती है। रिपब्लिकन–बहुल राज्यों के ये रुझान 2028 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए एक चिंताजनक संकेत देते हैं। ट्रम्प समर्थित उम्मीदवारों की विफलता के विपरीत, बर्नी सैंडर्स और उनके वामपंथी डेमोक्रेट्स ने 3 नवंबर के चुनावों में बड़ी सफलता हासिल की है। हालांकि अंतिम आंकड़े अभी आने बाकी हैं, लेकिन डीएसए सूत्रों का दावा है कि सैंडर्स द्वारा समर्थित 70 उम्मीदवारों में से 40 से अधिक जीत गए हैं। ये सभी सैंडर्स के उन कार्यक्रमों के समर्थक हैं, जो मजदूरों और गरीबों के लिए अधिक सुविधाओं, रक्षा खर्च में कटौती और ईरान के साथ युद्ध खत्म करने की वकालत करते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी में डीएसए की बढ़ती संख्या को देखते हुए, पार्टी नेतृत्व पर अब भारी दबाव होगा कि वे कांग्रेस में अपने एजंडे को और अधिक श्जन–हितैषीश दिशा में ले जाएं। लैटिन अमेरिका और यूरोप, दोनों ही जगहों पर वामपंथियों और उदारवादियों के बीच काफी उत्साह है, क्योंकि घोर दक्षिणपंथी विचारधारा के दो बड़े स्तंभ– डोनाल्ड ट्रंप और ब्राजील के जायर बोल्सोनारो– हार गए हैं। लैटिन अमेरिका में श्सत्ता परिवर्तनश के ट्रंप के एजंडे को, ब्राजील में लूला के राष्ट्रपति चुने जाने से पहले ही एक बड़ा झटका लग चुका है। इसके अलावा, लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में अन्य घोर दक्षिणपंथी पार्टियों को मिलने वाला समर्थन भी फिलहाल कम हो सकता है। ट्रंप अब नवंबर 2028 तक अपनी सत्ता बचाए रखने की जद्दोजहद में ही इतने व्यस्त रहेंगे कि उनके लिए कुछ और कर पाना मुश्किल होगा, खासकर तब जब अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेट्स फिर से मजबूत होकर लौट आए हैं।भारत की बात करें तो, ट्रंप की हार के नतीजों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जरूर चिंतित होंगे। ट्रंप का श्मगाश (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) एजेंडा, काफी हद तक नरेंद्र मोदी के अपने एजेंडे से मिलता–जुलता है। अमेरिका में मौजूद भाजपा से जुड़े संगठन, जिनमें वीएचपी और अन्य हिंदू संगठन शामिल हैं, डोनाल्ड ट्रंप के साथ हार गए। वे भी ट्रंप की तरह ही इस्लाम से नफरत रखते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई लोग नरेंद्र मोदी को ट्रंप जैसा ही मानते हैं। असल में, बर्नी सैंडर्स ने मोदी को उन दक्षिणपंथी नेताओं में से एक बताया है, जिनका नेतृत्व ट्रंप करते हैं।

दीपक से आग में गृहस्थी का सामान राख

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के सोहनी गांव में शुक्रवार की रात दीपक से आग लगने के कारण एक मकान में पूरी गृहस्थी जलकर राख होने की खबर प्रकाश में आई है। पूरा मामला कुछ इस प्रकार का है। राजकुमार सरोज का परिवार एक ही कमरे में गृहस्थी का पूरा सामान रखकर किसी तरह जीवनयापन करता है। रात परिवार के लोग कमरे में जलता हुआ दीपक रखकर दरवाजा बंद कर घर से कुछ दूरी पर बने मड़हे में सोने चलें गए थें। कुछ देर बाद दीपक से कमरे में आग लग गई।कुछ देर बाद कमरे से धुआं निकलने और आग की लपटें उठती देख परिवार के लोगों को घटना की जानकारी हुई। परिवार के सदस्य शोर मचाते हुए मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। देखते ही देखते कमरे में रखा अनाज, कपड़ा, चारपाई, बक्सा आदि समान जलकर राख हो गया।

मौत के मामले ने पकड़ा तूल, किया चक्का

जौनपुर। जिले के खुटहन थाना क्षेत्र के ग्राम तिलवारी निवासी नीरव सिंह उर्फ सेठ की संदिग्ध मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया। परिजनों और ग्रामीणों ने मामले में हत्या की सख्त धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर प्रयागराज–शाहगंज राजमार्ग पर स्थित पिलकिछा पुल के पास चक्काजाम कर दिया। करीब ढाई घंटे चले इस उग्र प्रदर्शन के चलते हाईवे के दोनों ओर 10 किलोमीटर लंबा भीषण जाम लग गया। वहीं दूसरी ओर, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और परिजन सड़क पर उतर आए और पिलकिछा पुल के पास आवागमन पूरी तरह ठप कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए खुटहन, बदलापुर, शाहगंज और खेतासराय थानों की पुलिस फोर्स मौके पर बुलाई गई। शाहगंज सीओ प्रतिभा वर्मा ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। सीओ शाहगंज ने स्पष्ट किया कि साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धाराएं बढ़ाई जाएंगी। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त किया। पुलिस के अनुसार, घटना की मुख्य वजह लेनदेन का विवाद था। मृतक नीरव सिंह के चाचा ध्रुवराज सिंह की तहरीर के मुताबिक, नीरव बदलापुर स्थित एक लॉन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गया था। वहां मछलीगांव निवासी नीरज यादव, राजेश उर्फ मोनू यादव और डिहिया निवासी आशुतोष कुमार पांडेय उर्फ मंतोष सहित अन्य लोग मौजूद थे।कार्यक्रम के बाद घर लौटते वक्त सरोखनपुर अंडरपास के पास सिगरेट पीने के दौरान नीरव ने आशुतोष से अपने उधार दिए हुए रुपये वापस मांगे। इसी बात पर कहासुनी बढ़ गई और आरोपियों ने मिलकर लात–घूंसों व ईंट से नीरव पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाए गए नीरव की इलाज के दौरान मौत हो गई।

हनीट्रैप में फंसाने का आरोप , दो पर मुकदमा

जौनपुर । पुलिस लाइन में तैनात हेड कांस्टेबल ने बक्शा थाना क्षेत्र के परशुरामपुर निवासी दंपती पर 32 लाख रुपए मांगने और विरोध करने पर हनीट्रैप में फंसाने का आरोप लगाया है। शिकायत पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। हेड कांस्टेबल का आरोप है कि जमीन खरीदने–बेचने की बातचीत के दौरान महिला ने अपनी जरूरत बताकर उनसे 52 हजार रुपये नकद लिए। इसके अलावा, 15 जुलाई 2026 को गूगल पे से अपने खाते में 71,500 रुपए लिए।बलिया जिले के भीमपुरा थाना क्षेत्र के शंकरपुर (मझौवां) निवासी दिलीप कुमार जौनपुर पुलिस लाइन में हेड कांस्टेबल हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि वर्ष 2023 में लाइनबाजार थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के सिलसिले में विजय लक्ष्मी उपाध्याय ने उनसे संपर्क किया था। दिलीप कुमार के मुताबिक, वर्ष 2025 में अपने पड़ोसियों के खिलाफ दर्ज एक अन्य मामले में मदद को लेकर भी बातचीत हुई। महिला ने अपने पति से मिले मुख्तारनामे के आधार पर जमीन खरीदने–बेचने की बात की और आर्थिक जरूरत बताकर उनसे रुपये लिए।

सेमेस्टर परीक्षाएं अब 20 नवंबर से

जौनपुर । पूर्वांचल विश्वविद्यालय से जुड़े कॉलेजों और विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर परीक्षाएं अब 20 नवंबर से शुरू होंगी। दिवाली और छठ पूजा के चलते विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया है। पहले परीक्षाएं किसी दूसरी तारीख से शुरू होनी थीं। संशोधित कार्यक्रम के तहत बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी और एमकॉम पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव के निर्देश जारी किए हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन ने संशोधित परीक्षा कार्यक्रम अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक ने सभी संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों और विश्वविद्यालय परिसर के अधिकारियों से नई परीक्षा तिथियों की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं, ताकि छात्र समय से अपनी तैयारी कर सकें।

युवक पर बदमाषों का चाकू से हमला, गंभीर

जौनपुर। केराकत थाना क्षेत्र के बेलाव पुल के पास बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने एक युवक को रास्ते में रोककर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। हमलावरों ने सबसे पहले युवक के हेलमेट पर वार किया, इसके बाद उसके हाथ पर चाकू से कई प्रहार किए। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान भीरमपुर निवासी 37 वर्षीय पंकज कुमार पुत्र अनिल कुमार के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक में कैशियर के पद पर कार्यरत हैं और अमहित में उनकी ड्यूटी बताई जा रही है।बताते है कि पंकज अपनी बहन पूनम देवी के साथ बाइक से जौनपुर आए थे। इसी दौरान बेलव पुल के पास बाइक सवार दो से तीन अज्ञात हमलावरों ने उन्हें रोक लिया और चाकू से हमला कर दिया हमला होते ही पूनम देवी जान बचाकर मदद के लिए गांव की ओर दौड़ीं और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी।जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आनन–फानन में घायल पंकज को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की देख रेख में उनका उपचार चल रहा है। उनके हाथ पर चाकू के गंभीर घाव बताए जा रहे हैं। दिनदहाड़े इस हमले से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हमलावरों की पहचान व हमले के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

रमेश मिश्रा ने अखिलेश यादव को मथुरा में कृष्ण मंदिर बनवाने में सहयोग की दी चुनौती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बदलापुर से भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बनवाने में सहयोग करने की चुनौती दी है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव सनातन और धर्म की बात करते हैं तो उन्हें मथुरा में कृष्ण मंदिर निर्माण के लिए भी खुलकर आवाज उठानी चाहिए। विधायक ने कहा कि अखिलेश यादव कई बार काशी विश्वनाथ आए, लेकिन उन्होंने दर्शन नहीं किए। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव ने मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण और अयोध्या में रामलला के भी दर्शन नहीं किए होंगे। उन्होंने कहा कि यदि अखिलेश यादव वास्तव में सनातन धर्म में आस्था रखते हैं तो उन्हें मथुरा में मंदिर निर्माण के लिए सहयोग करना चाहिए। रमेश मिश्रा ने आरोप लगाया कि मथुरा में मस्जिद का निर्माण गलत तरीके से हुआ है और वहां अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने कहा कि वहां से मस्जिद हटाकर भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बनाया जाना चाहिए। विधायक के मुताबिक, मथुरा का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। जिस तरह अयोध्या मामले में न्यायालय का फैसला आया, उसी तरह मथुरा मामले में भी फैसला आएगा और वहां कृष्ण मंदिर का निर्माण होगा। उन्होंने विपक्षी दलों से भी इस मुद्दे पर सहयोग करने की अपील की। वहीं, धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक ने कहा कि उनकी बात को घुमा–फिराकर प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री सभी ईश्वर और भगवान को मानते हैं। सनातन धर्म में सभी देवी–देवताओं की मान्यता है।

अजय राय हत्याकांड में ध्रुव सिंह की डिस्चार्ज अर्जी खारिज, 18 नवंबर को अगली सुनवाई

अखंड प्रताप सिंह की जिरह पूरी, कासगंज जेल से तलब कर आरोपी ध्रुव सिंह को अदालत में किया गया पेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में आजमगढ़ के लालगंज ब्लॉक प्रमुख अजय राय हत्याकांड में शनिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश 6 सुरेंद्र यादव की अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान आरोपी आमिर उर्फ कुंटू सिंह की ओर से दाखिल डिस्चार्ज अर्जी पर दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने अपनी दलीलें पेश कीं। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी की डिस्चार्ज अर्जी खारिज कर दी। वहीं, मामले में आरोपी अखंड प्रताप सिंह की जिरह पूरी हुई और कासगंज जेल से तलब किए गए आरोपी ध्रुव सिंह को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 नवंबर 2026 की तिथि निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के अधिवक्ता मौजूद रहे। मामले में इससे पहले मृतक अजय राय के भाई संजय राय की अदालत में गवाही दर्ज की गई थी। वह इस हत्याकांड के प्रमुख गवाहों में शामिल हैं। विदित हो कि दो नवंबर 2003 को सुबह करीब आठ बजे केशवपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास गोली मारकर अजय राय की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में भूपेंद्र कुमार सिंह, मुन्ना, अखंड प्रताप सिंह, ध्रुव सिंह और अनिल यादव समेत अन्य आरोपी हैं। करीब 23 साल पुराने इस चर्चित हत्याकांड की सुनवाई न्यायालय में जारी है। पीड़ित पक्ष की ओर से मृतक के भाई संजय राय ने न्यायालय पर भरोसा जताते हुए परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद व्यक्त की। अधिवक्ता राकेश सिंह ने कहा कि पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए लगातार कानूनी प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश सिंह, राजेश सिंह, राकेश सिंह और संजय सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

दीपावली पर लक्ष्मी गणेष, पटाखों की खूब खरीदारी

जौनपुर। दीपावली पर बाजार में खूब खरीदारी हुई। सुबह से शाम तक लोगों ने खरीदारी की। मिठाई, ज्वैलरी, गिफ्ट पैक आदि की दुकानों पर भारी भीड़ रही। शहर के मुख्य चौराहों पर जाम की स्थिति रही। जाम में फंसकर जिले के लोग परेशानी से जूझे। छोटी दीपावली ष्षनिवार को बाजार में खूब रौनक रही। सुबह से शाम तक लोगों ने बाजार में पहुंचकर जरूरत के सामान की खरीदारी की। मिठाई की दुकानों पर लाइन से मिठाई बिकी। शहर की हर मिठाई की दुकानों पर भीड़ थी। मिठाई के अलावा ज्वैलरी, कपडेखील बतासे, पूजा पाठ का सामान, गिफ्ट पैक, घरों का सजाने के तरह तरह के सामान, इलेक्ट्रोनिक सामन जैसे झालर, दिए, मूर्तियां, तरह तरह की रंगबिरंगी झालर, कंडील आदि की खूब खरीदारी हुई। इसके अलावा महिलाओं ने घरों को सजाने का सामान तथा पूजा पाठ का सामान, मिट्टी के दीए, मोमबत्ती, रूई, बत्ती, बुरा सहित अन्य जरूरत का सामान खरीदा। छोटी दीपावली पर लोगों ने बर्तन से लेकर तरह तरह के गिफ्ट पैक खरीदे। ड्राई फ्रूटस आदि की भी खूब खरीदारी हुई। इतना ही नहीं दीपावली पर रेडीमेड कपड़ा, जूते आदि की भी खरीदारी हुई। कुछ लोगों ने बाइक भी खरीदी। बाजार में जाम की स्थिति रही। शहर के मुख्य चौराहों पर पुलिस ने बड़े वाहनों को बाजार में एंट्री नहीं दी लेकिन इसके बावजूद भी शहर में ई रिक्शा के घुसने से जाम की स्थिति रही। शहर के मुख्य चौराहों पर जाम की स्थिति रही। लोग जाम क झाम में फंसकर परेशानी से दो चार हुए। शाम तक बाजार में लोगों ने खूब खरीदारी की। छोटे बच्चों ने घरों में रंगोली बनाने के लिए रंगोली के रंग और मॉ लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्ति खरीदी। दीपावली के दिन बच्चों ने पटाखे छोड़ने शुरू किए और खूब मस्ती की। बच्चों ने छोटी दीपावली पर सुबह से ही पटाखे छोड़ने शुरू कर दिए थे। कुछ बच्चों ने हथौड़ी छोड़ी। शाम होते ही पटाखों की आवाज से बिजनौर गूंजने लगा था। बच्चों के साथ बड़ों ने भी दीपावली पर आतिशबाजी शुरू की। बाजार में छोटी दीपावली पर सुबह से शाम तक दुकानों पर ग्राहकों की खूब भीड़ रही। बर्तनों से लेकर गिफ्ट आइटमों की दुकानों पर खूब खरीदारी हुई। सुबह से शाम तक बाजार में ग्राहकों की भीड़ थी। सर्राफा बाजार में महिलाओं और पुरूषों ने खूब ज्वैलरी खरीदी। देर रात तक झालरों की लोगों ने खूब खरीदारी की।

षिकायतों का पारदर्षी निस्तारण करें – जिलाधिकारी

जौनपुर। कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में शनिवार को जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान डीएम ने फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस में सैदनपुर निवासी सूर्यनाथ सिंह ने शिकायत दर्ज कराई कि विपक्षी पक्ष द्वारा उनकी जमीन की जुताई में अवरोध उत्पन्न किया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बहरीपुर निवासी शांता प्रसाद ने अपनी भूमिधरी जमीन पर कथित रूप से रास्ता बनवाने के प्रयास की शिकायत की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अपर जिलाधिकारी (भू–राजस्व) न्यायालय में नक्शा संशोधन का वाद विचाराधीन है। उन्होंने वाद के निस्तारण तक सीमांकन की कार्रवाई स्थगित कराने और जमीन पर अनधिकृत रास्ता बनाए जाने से रोकने की मांग की। डीएम ने उप जिलाधिकारी सदर को संबंधित अभिलेखों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि भूमि विवाद एवं राजस्व से जुड़े मामलों में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच करे और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसका उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को स्वयं शिकायतों की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह, अपर जिलाधिकारी (भू–राजस्व) अजय अम्बष्ठ, अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनंत चन्द्रशेखर, उप जिलाधिकारी सदर योगिता सिंह, तहसीलदार सदर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जन समाज सेवा संस्था ने बंदी छोड़ दिवस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर कुष्ठ आश्रम लखनऊ में कपड़े, मिठाइयां, फल, और त्योहार संबंधित सामग्रियों का किया वितरण

आर एल पाण्डेय



लखनऊ। शनिवार को बंदी छोड़ दिवस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर हर वर्ष की भांति आदर्श कुष्ठ आश्रम, एल.डी. ए. कालोनी,लखनऊ में रह रहे कुष्ठ रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए जन समाज सेवा संस्था की ओर से ज्ञानी अनेक सिंह जी ने सभी के स्वास्थ्य एवं लंबी उम्र की अरदास की एवम संस्था द्वारा उन्हे कपड़े, मिठाइयां, फल और त्यौहार संबंधी सामग्रियों का वितरण किया गया। संस्था के अध्यक्ष सरदार रनजीत सिंह ने आदर्श कुष्ठ आश्रम एल.डी. ए. कॉलोनी लखनऊ के अध्यक्ष शिवनंदन पासवान एवं सचिव किशन कुमार शाह एवं कार्य कर रहे सभी कर्मचारियों को बंदी छोड़ दिवस एवं दीपावली की शुभकामनाएं दी एवम कहा कि हम परमात्मा के ऋणी हैं जिसने इस जन्म में आप सभी की सेवा करने का बहुत थोडाध हिस्सा संस्था के सदस्यों की झोली में डाला है। संस्था के महामंत्री सरदार वीरेंद्र सिंह जी ने सभी देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहां की संस्था द्वारा हर त्यौहार पर आप सभी लोगों से भेंट होती है। जिसे देखकर हर परेशानी से लड़कर अपने जीवन को कैसे सरलता, संतोष, विनम्रता से जिया जाता है। जिसका आप सभी एक बड़ा उदाहरण है। तदोपरांत संस्था के कर्मठ सदस्य सुनील कुमार अग्रवाल ने वहां रह रहे परिवारों में कपड़े, मिठाइयां,फल एवं त्योहार से संबंधित अन्य सामग्रियों का वितरण किया। श्रीमती रेनू श्रीवास्तव, समाज सेविका ने भी सभी को दिपावली की शुभकामनाएं दी। कहा कि शरीर नाशवान है। केवल ईश्वर आपके द्वारा किए गए कार्य को देखा है आपके द्वारा बनाई गई संपत्ति को नहीं आश्रम के अध्यक्ष शिवानंद पासवान ने संस्था से जुड़े सभी लोगों का धन्यवाद करते हुए कहा कि आप द्वारा दी जा रही सेवा सब सेवाओं से उत्तम है। 11 वर्षों से आपकी संस्था का पूर्ण योगदान हम लोगों को प्राप्त हो रहा है जिसके लिए संस्था के सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए संस्था के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपक गुरुनानी स0 कुलदीप सिंह, अमन सिंह, स0 मनरीत सिंह सव बलवंत सिंह का सहयोग रहा।

दीपावली पर जौनपुर में 140 पटाखा दुकानों को लाइसेंस, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

बीआरपी और तिलकधारी इंटर कॉलेज मैदान में सजा पटाखा बाजार, 25 से 30 फीसदी तक बढ़े दामय शहर में रूट डायवर्जन लागू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में दीपावली के मद्देनजर जिला प्रशासन ने पटाखों की 140 दुकानों को लाइसेंस जारी किए हैं। जिला मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह ने बीआरपी इंटर कॉलेज और तिलकधारी इंटर कॉलेज के मैदान में दुकानें लगाने की अनुमति दी है। सुरक्षा के लिहाज से दोनों स्थानों पर दमकल की गाड़ियां, बालू, पानी और अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था की गई है। साथ ही पुलिस बल भी तैनात किया गया है। प्रशासन ने दुकानदारों को ज्वलनशील सामग्री रखने तथा माचिस, बीड़ी और सिगरेट का इस्तेमाल करने पर रोक लगाई है। तेज विस्फोट करने वाले पटाखों की बिक्री प्रतिबंधित की गई है। अभिभावकों से बच्चों को पटाखों से दूर रखने की अपील की गई है। उधर, पटाखा बाजार में इस बार कई नई वैरायटी आकर्षण का केंद्र बनी हैं। रेडबुल, मोरवाला अनार, ट्राई कलर, ड्रोन आतिशबाजी, पैराशूट रॉकेट और मल्टी शॉट की मांग है। 12 से लेकर 580 शॉट तक की आतिशबाजी उपलब्ध है। दुकानदार अनिल सिंह के मुताबिक रंग–बिरंगे आसमानी पटाखों और कम आवाज वाली आतिशबाजी को लोग पसंद कर रहे हैं। पटाखा विक्रेता वतन आजाद ने बताया कि इस वर्ष पटाखों के दाम पिछले साल की तुलना में 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़े हैं। माल महंगा आने के कारण कीमतों में वृद्धि हुई है। बाजार में अनार 200 से 400 रुपये, 30 शॉट 650 रुपये और 100 शॉट वाली आतिशबाजी एक हजार रुपये में बिक रही है। शहर में जाम से बचाव के लिए क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी ने रूट डायवर्जन लागू किया है। मछलीशहर पड़ाव, बदलापुर पड़ाव और जेसीस चौराहे से ऑटो व बैटरी रिक्शा के प्रवेश पर रोक रहेगी। कुत्तुपुर, जेसीस, पॉलिटेक्निक चौराहा, कुमार पेट्रोल पंप और जोगियापुर से भारी वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। पटाखा बाजार से 100 मीटर दूर वाहनों की पार्किंग करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस अपने विधायकों को भाजपा में जाने से नहीं रोक पाई, आप पर आरोप लगाने से पहले अपना इतिहास देखे – संजय सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में कई राज्यों में कांग्रेस के विधायक पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए और इससे भाजपा को सत्ता हासिल करने में मदद मिली। ऐसे में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी पर सवाल उठाने से पहले अपना राजनीतिक इतिहास देखना चाहिए।संजय सिंह ने कहा कि वर्ष 2016 में अरुणाचल प्रदेश में जनता ने कांग्रेस को जनादेश दिया, लेकिन बाद में पार्टी के विधायक भाजपा में चले गए और वहां भाजपा की सरकार बन गई। इसी तरह उत्तराखंड में 2016 में नौ विधायक, गोवा में 2017 में 13 और 2022 में आठ विधायक, कर्नाटक में 2019 में 13 तथा मध्य प्रदेश में 2020 में 22 कांग्रेस विधायक पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के विधायकों के लगातार भाजपा में जाने से देशभर में भाजपा को राजनीतिक मजबूती मिली है।आप नेता ने भाजपा के खिलाफ संघर्ष और नेताओं की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस को चुनौती दी कि वह अपने ऐसे चार बड़े नेताओं के नाम बताए, जो भाजपा से लड़ते हुए जेल गए हों। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन और वह स्वयं जेल जा चुके हैं।



एसआईआर के जरिए करोड़ों मतदाताओं के नाम काटे जाने का कांग्रेस ने लगाया आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने भाजपा की ओर से निकाली जा रही 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' यात्राओं पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा लोकतंत्र बचाने के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है, जबकि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की ये यात्राएं वास्तव में लोकतंत्र के खिलाफ हैं और इनका उद्देश्य जनता के मताधिकार को कमजोर करना है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन गोरखपुर, पूर्व अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा बरेली और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान लखनऊ में इस अभियान में शामिल हुए। गृह मंत्री अमित शाह भी हैदराबाद और करनाल में इसी अभियान का हिस्सा बने।

दसवें दीपोत्सव पर अयोध्या अभेद्य सुरक्षा घेरे में, चप्पे–चप्पे पर तैनात रही पुलिस फोर्स



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में दसवें दीपोत्सव और 8 नवंबर को दीपावली पर्व के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़, वीआईपी आवागमन और दीपोत्सव के विभिन्न आयोजन स्थलों को देखते हुए पूरे जनपद को कड़े सुरक्षा घेरे में रखा गया।वही सुरक्षा व्यवस्था के लिए दो पालियों में पुलिस बल की तैनाती की गई है,ताकि दिन से लेकर देर रात तक सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। सुरक्षा व्यवस्था की कमान वरिष्ठ अधिकारियों के हाथों में रहेगी।प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी एएसपी और डीएसपी स्तर के अधिकारियों को सौंपी गई है,जबकि सेक्टरों में डीएसपी और इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी सुरक्षा की कमान सौंपी गई थी।दीपोत्सव को शांति पूर्वक ढंग से संपन्न करने के लिए 20 एएसपी, 45 डीएसपी, 120 इंस्पेक्टर, 450 उपनिरीक्षक और 60 महिला उपनिरीक्षकों की तैनाती की गई है। इसके अलावा 1750 मुख्य आरक्षी एवं आरक्षी तथा 400 महिला आरक्षी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहीयातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी अलग से व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसके तहत 10 यातायात निरीक्षक (टीआई), 50 यातायात उपनिरीक्षक (टीएसआई) और 300 पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।इनका मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाना, प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति से बचाव और भीड़ को नियंत्रित करना होगा।सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पीएसी की 10 कंपनी,आरएएफ की तीन कंपनियां और एसडीआरएफ की एक टीम तैनात रही।इसके साथ ही एटीएस कमांडो की एक विशेष टीम भी सुरक्षा मोर्चे पर मुस्तैद रही।किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्यूआरटी और रिजर्व पुलिस बल को भी तैयार रखा गया है।आयोजन की संवेदनशीलता को देखते हुए खुफिया विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही थी।एंटी माइंस टीम, बम निरोधक दस्ते की तीन टीमें और एएस चेक की नौ टीमें भी सुरक्षा जांच में लगाई गई थी।प्रमुख आयोजन स्थलों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और महत्वपूर्ण मार्गों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही थी।पुलिस प्रशासन का पूरा जोर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, दीपोत्सव के आयोजनों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने पर है।सुरक्षा के इतने व्यापक इंतजामों के बीच रामनगरी में दीपोत्सव और दीपावली को सकुशल संपन्न कराने की तैयारी की गई है।

डीएवी कुमारगंज के 20 खिलाड़ी एसजीएफआई के लिए चयनित

राष्ट्रीय स्तर पर हैंडबॉल और एयर राइफल शूटिंग में जीते पदक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज परिसर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।विद्यालय के खिलाड़ियों ने हैंडबॉल और एयर राइफल शूटिंग प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इसके साथ ही विद्यालय के 20 खिलाड़ियों का चयन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के लिए हुआ है, जो विद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार शर्मा ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के अंडर–14 बालिका वर्ग में डीएवी कुमारगंज की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं बालक वर्ग में विद्यालय की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक हासिल किया। इसके अतिरिक्त एयर राइफल शूटिंग की अंडर–19 प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ी ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय की उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया।विद्यालय प्रशासन के अनुसार, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के लिए 20 छात्र–छात्राओं का चयन विद्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। एसजीएफआई देशभर में स्कूली स्तर पर खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने वाली प्रमुख संस्था है। एक साथ 20 खिलाड़ियों के चयन से विद्यालय परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है। इस उपलब्धि को डीएवी कुमारगंज के साथ–साथ पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया जा रहा है।खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे विद्यालय की खेल प्रशिक्षक श्रीमती के. पाल और अभिषेक सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। दोनों प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, तकनीकी प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उनके कुशल प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।इस अवसर पर प्रधानाचार्य अशोक कुमार शर्मा ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी लगन और उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।डीएवी पब्लिक स्कूल की इस शानदार उपलब्धि से विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। खिलाड़ियों की सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उचित मार्गदर्शन, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं।

'घर–घर गूंजे भगवान धन्वंतरि की आराधना, स्वस्थ एवं निरोग परिवार की हो मंगलकामना

' 'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'शाहजहाँपुर' मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यालय में अखिल



भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में भगवान धन्वंतरि जयंती पर पूजन एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

टेंट हाउस की दुकान में लगी आग, सामान राख

भदोही, (संवाददाता)। इंदिरा मिल मार्ग स्थित घमहापुर में मंगलवार की देर रात एक टेंट हाउस में आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी आग से टेंट का सारा सामान जलकर राख हो गया। अग्निमशन विभाग की दो बड़ी गाड़ियों के सहयोग से करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू किया गया। पीड़ित घमहापुर निवासी आशीष बिंद के अनुसार आग से सात से आठ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। भदोही कोतवाली के घमहापुर निवासी आशीष बिंद घर से कुछ दूरी पर टेंट हाउस का संचालन करते हैं। इसका दुकान नई बाजार इंदिरा मिल मार्ग पर घमहापुर के पास स्थित है। मंगलवार की रात करीब नौ बजे लोगों ने दुकान से धुआं उठते देखा। इसकी सूचना टेंट हाउस संचालक आशीष को दी। सूचना मिलते ही आशीष मौके पर पहुंचे, तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। इध र, लोगों ने अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी। घटना के बाद करीब 15 मिनट के अंदर अग्निमशन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अग्निशमन विभाग के दो बड़े वाहनों के माध्यम से करीब 45 मिनट तक मशक्कत करने के बाद किसी तरह से आग पर काबू पाया गया। जब तक आग बुझाई जाती, तब तक लाखों रुपये मूल्य के सामान जलकर राख हो चुके थे।

बुजुर्गों के इलाज में संवेदनशीलता और व्यक्तिगत देखभाल जरूरी

गोरखपुर, (संवाददाता)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'दीर्घायु 2026' के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने वृद्धावस्था से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं और उनके समग्र प्रबंधन पर मंथन किया। श्रीबीएम कांकेनवाड़ी आयुर्वेद महाविद्यालय, बेलगावी के प्राचार्य एवं चिकित्सा निदेशक प्रो. डॉ. सुहास कुमार शेट्टी ने डिमेंशिया प्रबंधन में समयबद्ध पहचान और पारिवारिक सहयोग को अहम बताया। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के उपचार में संवेदनशीलता, धैर्य और व्यक्तिगत देखभाल जरूरी है। वहीं, डॉ. बीआरकेआर राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, हैदराबाद के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. एम. श्रीनिवासुलु ने तंत्रिका विकारों के उपचार में वात संतुलन और रोगी की प्रकृति के अनुरूप चिकित्सा पर जोर दिया। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के डॉ. राजकिशोर सिंह ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों का घटता द्रव्यमान कार्यक्षमता प्रभावित करता है।

रिजल्ट से पहले जारी होगी आंसर की, छात्र दर्ज करा सकेंगे आपत्ति, बीएड परिणाम से शुरुआत

आगरा, (संवाददाता)। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय अब प्रतियोगी परीक्षाओं की तर्ज पर परिणाम से पहले उत्तर कुंजी जारी करेगा। परीक्षार्थियों की आपत्तियां भी स्वीकार की जाएंगी। इनका समाधान होने के बाद परिणाम जारी किया जाएगा। बीएड के परिणाम से इसकी शुरुआत हो रही है। इससे छात्रों को सुविधा रहेगी। बीएड, विधि समेत अन्य पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी होने के बाद उसमें कई त्रुटियां मिलीं। इस पर छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में हंगामा किया। इसके बाद परिणाम में संशोधन करना पड़ा। इससे समय और धन बर्बाद होने के साथ ही छात्र–छात्राओं को परेशानी भी झेलनी पड़ी। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने उत्तर कुंजी जारी करने का निर्णय लिया है। इसकी पहल बीएड के पुनर्परीक्षा के परिणाम से की जा रही है। इसकी परीक्षाएं 28 अक्तूबर को ही संपन्न हुई हैं। इनकी कॉपियों का मूल्यांकन हो चुका है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों का परीक्षा के बाद मूल्यांकन कर परिणाम जारी कर दिया जाता था। इसमें विद्यार्थियों की कुछ आपत्तियां भी होती थीं। ऐसे में दोबारा से उनका मूल्यांकन कर संशोधित परिणाम जारी करना पड़ता था। इससे बचने के लिए पहली बार उत्तर कुंजी जारी की जाएगी। ये उत्तर कुंजी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी होगी। इसमें विद्यार्थी आकलन कर सकते हैं। किसी तरह की आपत्ति होने पर इसे दर्ज करा सकते हैं। ये व्यवस्था बीएड–पुनर्परीक्षाओं के परिणाम से शुरू कर रही है। इसका मूल्यांकन हो गया है, ।

पारदर्शी और गलती रहित जनगणना जरूरी – सीडीओ

भदोही, (संवाददाता)। जिले में जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम शुभांगी शुक्ला एवं सीडीओ बाल गोविंद शुक्ला की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें स्व–गणना एवं जनसंख्या गणना कार्य की तैयारियों की प्रगति जानी गई। अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने कहा कि पारदर्शी और गलती रहित जनगणना जरूरी है। सीडीओ ने बताया कि जनगणना 2027 के द्वितीय चरण तहत स्व–गणना का कार्य 16 नवंबर से 30 नवंबर तक, जनसंख्या गणना का कार्य एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक होगा। पुनरीक्षण कार्य पांच जनवरी से नौ जनवरी 2027 तक निर्धारित है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय–सारिणी के अनुरूप सभी तैयारियां सुनिश्चित करते हुए।

संक्षिप्त खबरें

15 से 20 लाख श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना

बांदा, (संवाददाता)। आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर जनपद में आयोजित होने वाले दीपावली मेले में लगभग 15 से 20 लाख श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए मंडलायुक्त अजीत कुमार ने पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस. के साथ रामघाट, परिक्रमा मार्ग, स्थायी एवं अस्थायी रैन बसेरों तथा पार्किंग स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंदाकिनी नदी के घाटों पर पत्थर लगाने, सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने एवं प्रकाश व्यवस्था के कार्य प्रगति पर पाए गए। आयुक्त ने घाट पर पत्थर लगाने के कार्य में अतिरिक्त श्रमिक लगाकर कार्य की गति बढ़ाने तथा समस्त अवशेष कार्य दीपावली मेले से पूर्व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निर्देशित किया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के .ष्टिगत प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। रामघाट एवं प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग करते हुए श्रद्धालुओं की कतारें जिगजैग पद्धति से व्यवस्थित की जाएं। घाटों पर प्रशिक्षित गोताखोर, जल पुलिस, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं महिलाओं के लिए सुरक्षित चेंजिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि खोयापाया केन्द्र, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली एवं मेला नियंत्रण कक्ष 24 घंटे सक्रिय रहें। मेला क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट, एम्बुलेंस, चिकित्सकीय टीम एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। महिलाओं, बच्चों, वृद्धजनों एवं दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

दीपावली अमावस्या मेला : श्रद्धालुओं की सुविधा को किए गए व्यापक इंतजाम

बांदा, (संवाददाता)। आगामी कार्तिक मास दीपावली अमावस्या मेला के दृष्टिगत जनपद प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षित आवागमन एवं सुव्यवस्थित मेला आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। मेला क्षेत्र में यातायात प्रबंधन को सुचारु बनाए रखने के लिए वाहन पार्किंग, पैदल मार्ग, रैन बसेरा तथा खोयापाया केंद्रों के लिए अलग–अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। श्रद्धालुओं के वाहनों को व्यवस्थित रूप से खड़ा कराने के लिए मेला क्षेत्र के विभिन्न मार्गों एवं स्थलों पर 1 से 16 तक पार्किंग स्थल चिह्नित किए गए हैं। इनमें पुलिस होल्डिंग एरिया, बांदा रोड, बेड़ी पुलिया, रामघाट मार्ग, संग्रामपुर तिराहा एवं अन्य निर्धारित स्थान शामिल हैं। दो पहिया वाहनों के लिए भी पृथक पार्किंग व्यवस्था निर्धारित की गई है। पार्किंग स्थलों तक पहुंचने के अलग–अलग रूट निर्धारित किए गए हैं। जिससे यातायात का दबाव नियंत्रित रहे तथा आवागमन सुगम बना रहे। ठहरने एवं विश्राम की सुविधा के लिए 1 से 6 तक विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरा चिह्नित किए गए हैं। इनमें रामवन गमन पथ बांदा रोड, धर्मकांटा, रैन बसेरा सीतापुर, संग्रामपुर तिराहा, रामेश्वरम क्षेत्र एवं रामायण दर्शन परिक्रमा मार्ग के आसपास के स्थल शामिल हैं। श्रद्धालुओं एवं परिजनों की सहायता के लिए बेड़ीपुलिया, पोद्दार इंटर कॉलेज, फूड प्लाजा रामघाट, रामघाट फुट ओवरब्रिज के पास, बरहा हनुमान जोन कार्यालय तथा रामायण दर्शन के पास खोयापाय केन्द्र बनाए गए हैं।

शारदा नहर और उसके माइनरों में अवैध खनन का खुला खेल



सुल्तानपुर, (संवाददाता)। बल्दीराय तहसील क्षेत्र में शारदा नहर और उसकी माइनरों की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में है। नहरों की पटरियों के किनारे से लेकर अंदरूनी हिस्सों तक मिट्टी की खुदाई कर उसे बेचने का आरोप है। स्थानीय स्तर पर खुलेआम हो रही इस गतिविधि ने नहर विभाग की निगरानी व्यवस्था और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर सरकारी संपत्ति की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाला विभाग अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश क्यों नहीं लगा पा रहा है ।

आरोप है कि दबंगों के प्रभाव में दिनदहाड़े नहरों की खुदाई की जाती है। कई स्थानों पर नहरों की सिल्ट सफाई के नाम पर निकाली गई मिट्टी के खुले बाजार में बिकने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। यदि सिल्ट सफाई की आड़ में मिट्टी का कारोबार हो रहा है, तो इसकी मात्रा, उठान, परिवहन और बिक्री का हिसाब किसके पास है। विभागीय अभिलेखों और मौके की वास्तविक स्थिति का मिलान इस पूरे मामले की गंभीरता उजागर कर सकता है।

जग्गी बाबा की कुटी के पास का मामला, विभाग की जवाबदेही पर सवाल

जग्गी बाबा की कुटी के पास शारदा नहर में अवैध खनन का मामला कोई पहली शिकायत नहीं बताया जा रहा है। नहर सूखने के बाद मिट्टी की खुदाई और उठान किए जाने के आरोप सामने आते रहे हैं। इससे नहर की पटरी और संरचना को नुकसान पहुंचाई जाती रही है। यदि समय रहते जांच नहीं हुई, तो सरकारी राजस्व क्षति और भ्रष्टाचार की धमक बनी रहेगी। जो शासन और प्रशासन के लिए चुनौती होगा।

खबर छपी तो जागा विभाग, कार्रवाई या कागजी खानापूर्ति

अवैध खनन की खबर प्रकाशित होने के बाद नहर विभाग के जिम्मेदारों की सक्रियता बढ़ने की बात सामने आई है। लेकिन सवाल यह है कि यह सक्रियता अवैध खनन रोकने के लिए है या केवल विभागीय कागजों में कार्रवाई दिखाने तक सीमित रहेगी। जांच के नाम पर साक्ष्य जुटाने और मामला दबाने की कोशिशों की चर्चा भी स्थानीय स्तर पर हो रही है।

लीपापोती हुई तो जवाबदेही तय करना मुश्किल

सूत्रों के मुताबिक विभागीय स्तर पर जांच और कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। ऐसे में जरूरी है कि जांच केवल औपचारिकता न बने। खुदाई के स्थानों का भौतिक निरीक्षण, मिट्टी की निकासी का रिकॉर्ड, संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी और अवैध खनन में शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट की जाए। यदि विभागीय मिलीभगत या लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदारों के विरुद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए।

जनपद के इमिलिया की घटना से बढ़ी चिंता

दो दिन पहले जिले के इमिलिया गांव में कथित खनन माफियाओं की दबंगई का मामला भी सामने आया। ऐसे घटनाक्रमों के बीच बल्दीराय क्षेत्र में नहरों की सुरक्षा को लेकर चिंता और गहरी हो गई है। अब बड़ा सवाल यही है कि नहर विभाग के जिम्मेदार अधिकारी वास्तव में अवैध खनन पर रोक लगाएंगे या विभागीय निष्क्रियता और कथित संरक्षण के आरोप यूं ही बने रहेंगे। शासन की मंशा अवैध खनन पर अंकुश लगाने की है, लेकिन बल्दीराय में नहरों की स्थिति विभागीय निगरानी की वास्तविक परीक्षा बन गई है। अब देखना होगा कि जांच निष्पक्ष होती है, कार्रवाई जमीन पर दिखाई देती है या मामला कागजी खानापूर्ति तक सिमटकर रह जाता है। और आगे भी शासनादेशों की धज्जियां उड़ाई जस्ती रहेगीं ।

सगना समेत तीन गिरतार, दो की तलाश जारी

बांदा, (संवाददाता)। पेट्रोल लिया 650 रुपये का और क्यूआर कोड में दिखाया कि गलती से 65 हजार का भुगतान चला गया है। इस तरह कई पेट्रोल पंपों पर स्क्रीनशाट दिखाकर ठगी करने वाले गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस काम में संबंधित पेट्रोल पंप का एक कर्मचारी भी गैंग के संपर्क में रहता था और सब मिलकर पंप के खाते को होल्ड कर यह खेल करते थे। गैंग के सरगना समेत तीन को पुलिस ने पकड़ लिया है, दो की तलाश जारी है। सभी प्रयागराज जिले के निवासी हैं और दो साल से यह काम कर रहे । पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने गुरुवार को एसपी कार्यालय में बताया कि साइबर सेल और रैपुरा पुलिस टीम ने बुधवार रात हनुमानगंज बंधाना मोड़ जयंती बांध के पास संदिग्ध युवकों की मौजूदगी की सूचना पर दबिश दी। पुलिस को देख लोग भागने लगे, लेकिन टीम ने गैंग सरगना प्रयागराज जिले के ओसा कौंधियारा निवासी सिद्धार्थ आदिवासी, इकौनी कौंधियारा निवासी प्रियांशु और नितिन प्रताप सिंह को पकड़ लिया।

खेत में मिला लापता राजगीर का शव, हत्या या आत्महत्या की आशंका

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। ग्राम सभा सैदखानपुर के पटना गांव निवासी फागू राम यादव का शव गुरुवार सुबह पटना ग्राउंड के पास एक खेत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। वह राजगीर का काम करते थे और बुधवार शाम करीब चार बजे से लापता थे। परिजनों के अनुसार, लापता होने के बाद उनका मोबाइल फोन भी बंद हो गया था। देर रात तक परिजन उनकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने पटना ग्राउंड के पास खेत में एक युवक का शव औंधे मुंह पड़ा देखा। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची कूरेभार पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच–पड़ताल शुरू की। शव की पहचान फागू राम यादव के रूप में हुई। घटनास्थल से कुछ दूरी पर उनकी साइकिल भी पड़ी मिली। वहीं पास में पानी की बोतल, चप्पल, मोबाइल फोन और देसी शराब के पाउच का एक फटा पैकेट भी मिला। एक और किसी चीज का पैकेट मिला है जो स्पष्ट नहीं हो पा रहा फिलहाल पुलिस ने इन वस्तुओं को घटनास्थल से साक्ष्य के रूप में सुरक्षित कर लिया है। युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर ग्रामीणों में तरह–तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि यह हत्या है या आत्महत्या अथवा मौत की कोई अन्य वजह है, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस संबंध में थाना प्रभारी कूरेभार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।



वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं साक्षरता दिवस के अवसर पर पयागीपुर स्थित आनंद वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मुक्ता त्यागी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मुक्ता त्यागी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका सम्मान, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा परिवार और समाज के निर्माण में समर्पित किया है, इसलिए उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकारों, भरण–पोषण, सुरक्षा तथा निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी वरिष्ठ नागरिक को अपने अधिकारों से वंचित नहीं रहना चाहिए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।